RAMANUJAN COLLEGE LIBRARY

(UNIVERSITY OF DELHI)

February 2025

NEWSPAPER CLIPPINGS

हिंदुस्तान टाइम्स 19/फ़रवरी /2025

डीयू ने सघन पौधारोपण अभियान चलाया

नई दिल्ली। डीयू ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए शहर सघन पौधारोपण अभियान चलाया और लोगों को इसमें हिस्सा लेने का आह्वान किया। डीयू और एक गैर-सरकारी संगठन ने मिलकर यह कदम उठाया है। इस अवसर पर कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को लेकर गंभीर है। विश्वविद्यालय में निर्माण कार्यों के दौरान जहां भी वृक्ष बीच में आते हैं, उन्हें काटने की बजाए दूसरी जगह लगाने का काम हो रहा है।

हिंदुस्तान टाइम्स 19/फ़रवरी/2025

विधि छात्रों की याचिका हाईकोर्ट में खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) और बार काउंसिल ऑफ इंडिया को विधि छात्रों के लिए ऑनलाइन कक्षाओं पर विचार करने को कहा है, जिससे कि छात्रों की पढ़ाई प्रभावित नहीं हो। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा की पीठ ने उपस्थिति की कमी के कारण छात्रों को अपने संबंधित सेमेस्टर परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं देने के डीयू के फैसले के खिलाफ विधि छात्रों की याचिकाओं को खारिज करते हुए ये टिप्पणियां कीं हैं। छात्रों ने याचिका में कहा था कि परीक्षा में नहीं बैठने से हमारे करियर पर प्रभाव पड़ेगा, लेकिन कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी।

अमर उजाला 19/फ़रवरी/2025

डीयू ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सघन वृक्षारोपण की पहल की

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में किया गया शुरू, सफल रहने पर सघन वृक्षारोपण करने की योजना

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सघन वृक्षारोपण की पहल की है। गैर सरकारी संगठन ग्रीन यात्रा के साथ मिलकर शहरी संघन वृक्षारोपण को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया है।

इस प्रोजेक्ट के सफल रहने पर डीयू अपने परिसर के भीतर उपलब्ध छोटे भूखंडों में भी इस तकनीक का विस्तार करने की योजना बना रहा है। मंगलवार को डीयू कुलपति ने नींबू का पौधा -लगाकर इस सघन पौधरोपण की शुरूआत की।

डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि जगह की कमी के कारण सघन वृक्षारोपण एक अच्छी पहल है। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। कुलपति ने कहा कि डीयू में निर्माण कार्यों के दौरान जहां भी वृक्ष बीच में आते हैं, उन्हें काटने की बजाए दूसरी जगह लगा दिया जाता है।

डीयू में उपयुक्त स्थानों की पहचान करके सघन वृक्षारोपण पर और भी काम होना चाहिए। डीयू

उद्यान समिति की अध्यक्ष प्रो. रूपम कपूर ने बताया कि डीयू आर्ट्स फैकल्टी के पास 300 वर्ग मीटर के एक छोटे से भूखंड पर विकसित यह शहरी वृक्षारोपण जापानी वनस्पतिशास्त्री अकीरा मियावाकी

कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने पहल के तहत वृक्षारोपण की शुरुआत की। अमर उजाला

पूरी प्रक्रिया जैविक है

• यह प्रक्रिया पूरी तरह से जैविक है, जिसमें मिट्टी को उपजाऊ बनाने के लिए चावल की भूसी, सरसों की खली, वर्मीकम्पोस्ट, गौमूत्र, गुड़ और चने के पाउडर का उपयोग किया जाता है।

की प्रसिद्ध मियावाकी तकनीक के आधार पर बनाया गया है। यह तकनीक घने समूहों में देशी पेड़ों और झाड़ियों के रोपण पर जोर देती है, जिन्हें शहरी क्षेत्रों में सीमित भूमि पर लगाया जा सकता है।

डीयू में इस हरे भरे क्षेत्र में अब 41 प्रजातियों के लगभग 750 पौधे लगाए हैं। इस अवसर पर साउथ कैंपस के निदेशक प्रो. श्रीप्रकाश सिंह, रजिस्ट्रार डॉ. विकास गुप्ता, प्रॉक्टर प्रो. रजनी अब्बी और डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. रंजन त्रिपाठी ने भी पौधे लगाए।

'डीयू मार्च-अप्रैल में जॉब मेला आयोजित करने की कर रहा तैयारी विश्वविद्यालय में 10 से 21 फरवरी तक प्लेसमेंट व इंटर्नशिप ड्राइव का हो रहा है आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में यूजी- पीजी व पीएचडी के छात्रों के लिए प्लेसमेंट व इंटर्नशिप सत्र चल रहा है। नौकरी की पेशकश करने के लिए कंपनियां 21 फरवरी तक कैंपस पहुंचेगी। अब डीयू ने जॉब मेले की भी तैयारी शुरु कर दी है। डीयू मार्च-अप्रैल में जॉब मेला आयोजित कर सकता है। इसके बाद एक अंतिम प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की जाएगी।

डीयू की सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की ओर से 10 से 21 फरवरी तक प्लेसमेंट व इंटर्नशिप ड्राइव आयोजित की जा रही है। इसमें कई बड़ी

कंपनियां कैंपस पहुंचकर 2.5 लाख से लेकर 6 लाख रुपये तक के सैलेरी पैकेज की पेशकश कर रही हैं। बृहस्पतिवार यानी आज वीएफपीएल कैपिटल और एचएनकेटी कंपनी छात्रों को शॉर्टलिस्ट करने के लिए कैंपस आएगी। सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के अधिकारियों के अनुसार अभी जिन कंपनियों ने छात्रों को शॉर्टलिस्ट किया है, उनकी जानकारी नहीं दी है। दो से तीन सप्ताह के अंदर कंपनियों की ओर से यह पता चल जाएगा कि कितने छात्रों को कितने सैलेरी पैकेज के लिए चयनित किया गया है।

प्रशासन को उम्मीद है कि इस ड्राइव में कई छात्रों को अच्छे सैलेरी पैकेज के साथ नौकरी की पेशकश हो सकती है। इस ड्राइव के समाप्त होने के बाद शैक्षणिक सत्र 2024-25 के तहत एक जॉब मेला आयोजित करने की तैयारी की जा रही है। जो कि मार्च के अंत या अप्रैल की शुरुआत में आयोजित किया जाएगा। इसमें 10 से 20 कंपनियों के पहुंचने की संभावना है। जॉब मेले में हिस्सा लेने के लिए छात्रों को पहले सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के तहत पंजीकरण कराना होगा ।

अमर उजाला 20/फ़रवरी/2025

डीयू में होली पर हुड़दंग करने वालों की खैर नहीं

प्रशासन ने जारी किए दिशा-निर्देश, कॉलेजों को होली कमेटी करनी होगी गठित

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय ने परिसर में होली के हुड़दंग को रोकने की तैयारी की है। होली के अवसर पर कैंपस, कॉलेज, विभागों में यदि कोई छात्र गलत हरकत करता है तो उस पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही इस अवधि के दौरान किसी भी छात्र को परेशान किए जाने की स्थिति में सभी एंटी रैगिंग, एंटी ईव टीजिंग और छेड़छाड़ के प्रावधान लगाए जाएंगे।

कैंपस का माहौल खराब ना हो इसलिए डीयू प्रशासन ने होली के काफी पहले ही कॉलेजों, विभागों, हॉस्टल के लिए दिशा निर्देश जारी
किए हैं। होली के नाम पर कैंपस में हुड़दंगबाजी ना हो इसके लिए प्रशासन ने सख्त रवैया अपनाया हैं। होली के नाम पर महिलाओं के साथ हुड़दंग करने वालों के खिलाफ विश्वविद्यालय ऑर्डिनेंस और सेक्सुअल हैरेसमेंट ऑफ वूमेंस एट वर्कप्लेस एक्ट 2013 के तहत कार्रवाई की जाएगी। डीयू प्रॉक्टर की

दिल्ली विश्वविद्यालय
UNIVERSITY OF DELHI

उत्पातियों पर होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई, एंटी रैगिंग और छेड़छाड़ के लगेंगे प्रावधान

ओर से जारी दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि शिक्षण संस्थानों के परिसर में गीले रंग, गुब्बारे, पिस्टन और हुड़दंग मचाने वाले तरीके से होली न खेलें।

साथ ही त्योहार के दिनों में कॉलेज, विभागों में पहचान पत्र के माध्यम से प्रवेश अनिवार्य कर दिया है। कॉलेजों और विभागों में बाहरी लोगों के प्रवेश को रोकने के लिए सभी छात्रों की पहचान और बाहरी लोगों के पहचान पत्र की जांच करने के लिए गेट पर सुरक्षा गार्ड तैनात करने के लिए कहा गया है।

पुलिस बल की रहेगी तैनाती

सभी प्रिंसिपल, संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, हॉस्टल के प्रोवोस्ट किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए उपलब्ध होने चाहिए। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कॉलेजों के आसपास पुलिस बल की तैनाती रहेगी। पुलिस की ओर से मोबाइल गश्त होगी। बाहरी लोगों के प्रवेश को रोकने के लिए होली के दौरान छात्रावासों में मेहमानों के प्रवेश पर विशेष जांच होगी। डीयू ने स्पष्ट किया है कि होली के नाम पर किसी के भी अनुचित व्यवहार को स्वीकार नहीं किया जाएगा। विश्वविद्यालय के उत्तरी और दक्षिणी परिसरों में संयुक्त कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। कोई छात्र अप्रिय स्थिति में संयुक्त कंट्रोल रूम के नंबर 27667291 (उत्तरी कैंपस) व 24119832 (साउथ कैंपस) पर संपर्क कर सकता

दयाल सिंह में भारत का विभाजन विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

नई दिल्ली। डीयू के स्वतंत्रता एवं विभाजन अध्ययन केंद्र ने दयाल सिंह कॉलेज के पंजाबी विभाग के सहयोग से भारत का विभाजन और मानवीय रिश्तों के हनन की दास्तान विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की। संगोष्ठी में। प्रख्यात शिक्षाविदों समेत 200 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसमें विभिन्न वक्ताओं ने विभाजन के दौरान व्यक्तियों की दुर्दशा और उनके साथ हुए अत्याचारों पर प्रकाश डाला गया। इस मौके पर डीयू के दक्षिणी परिसर निदेशक प्रो. श्रीप्रकाश सिंह, कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग निदेशक प्रो. पायल मागो, दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स के प्रो. अमृत बसरा, कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. वीके पालीवाल, स्वतंत्रता एवं विभाजन अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. रविंदर समेत अन्य वक्ता उपस्थित थे।

हिंदुस्तान 22/फ़रवरी/2025

रामानुजन कॉलेज में खेल दिवस का आयोजन

नई दिल्ली। डीयू के रामानुजन कॉलेज के शुक्रवार को वार्षिक खेल दिवस तेजस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. सत्यपाल सिंह को सम्मानित किया गया है। कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. रसाल सिंह ने स्वास्थ्य के प्रति छात्रों और शिक्षकों को जागरूक करने के लिए अपने आवास से 26 किलोमीटर साइकिल से कॉलेज पहुंचे।

अमर उजाला 22/फ़रवरी/2025

डीयू ईसी में विजिटर नॉमनी बनी सुषमा यादव

नई दिल्ली। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की पूर्व सदस्य प्रो. सुषमा यादव को दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) की कार्यकारी परिषद (ईसी) में विजिटर नॉमनी के तौर पर नियुक्त किया गया है। फोरम ऑफ एकेडमिक्स फॉर सोशल जस्टिस (शिक्षक संगठन) के चेयरमैन डॉ. हंसराज सुमन ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि उनकी नियुक्ति से विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ेगी और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत शोध के क्षेत्र में परिवर्तन होगा। यूजीसी में सदस्य रहते हुए आपने कॉलेजों में शिक्षकों की पदोन्नति के लिए विशेष कार्य किया। शैक्षिक जगत में सक्रिय रहते हुए प्रो. सुषमा यादव ने शिक्षा की गुणवत्ता और रोजगारपरक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए काफी काम किया है।

'मन की बात' को कॉलेजों में विषय के रूप में शामिल करे यूजीसी

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र) ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से मन की बात को एक विषय के रूप में विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शामिल करने का अनुरोध किया है। यूजीसी के अध्यक्ष प्रो. एम जगदीश कुमार को लिखे पत्र में नमो केंद्र के अध्यक्ष प्रो. जसीम मोहम्मद ने पीएम मोदी के आकाशवाणी द्वारा प्रसारित रेडियो कार्यक्रम के महत्व पर जोर दिया है। मन की बात ने सफलतापूर्वक 110 से अधिक एपिसोड पूरे कर लिए हैं। पत्र में कहा है, मन की बात का यह कार्यक्रम प्रेरणा, प्रोत्साहन और राष्ट्र निर्माण के विचारों का स्रोत है। इसमें सामाजिक सुधार, युवा सशक्तिकरण, नवाचार, आत्मनिर्भर भारत और भारत की सांस्कृतिक विरासत सहित कई महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया है। विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप, नमो केंद्र ने यूजीसी से उच्च शिक्षा में मन की बात को अनिवार्य विषय बनाने का आग्रह किया है।

नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र ने पत्र लिखकर यूजीसी से किया अनुरोध

अनुरोध प्रस्ताव में इस बात पर प्रकाश डाला है कि इस विषय का अध्ययन छात्रों को दृढ़ संकल्प और सफलता के वास्तविक जीवन के उदाहरणों से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा ।

नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का हवाला देते हुए, पत्र में आगे जोर दिया गया है कि उच्च शिक्षा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उदबोधन मन की बात को अनिवार्य विषय बनाने की दृढ़ता से अनुशंसा करते हैं। इससे छात्रों को भारत के सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन और राष्ट्र निर्माण में नेतृत्व की भूमिका के बारे में गहन जानकारी प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

हिंदुस्तान 23/फ़रवरी/2025

दिल्ली को नॉलेज हब बनाएं : प्रधान

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता । दिल्ली विश्वविद्यालय में शनिवार को 107वां, कलपात, दिल्ला विश्वविद्यालय
दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे आने वाले दिनों में दिल्ली को दुनिया का नॉलेज हब बनाने का संकल्प लें।
डीयू के स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में आयोजित समारोह में केंद्रीय मंत्री ने अपने हाथों से टैब पर क्लिक करके 1,66,494 विद्यार्थियों को डिजिटल डिग्री प्रदान की। साथ ही, 10 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को अपने हाथों से मेडल भेंट किए।
कुलपति बोले- परिश्रम असंभव को संभव बना देता है : समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने डीयू की गौरवशाली यात्रा का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

डीयू के दीक्षांत समारोह में शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान डिग्री दिखाते हुए। इस दौरान कुलपति प्रो. योगेश सिंह भी मौजूद रहे।

इस दौरान उन्होंने डिग्री लेने वाले विद्यार्थियों से कहा कि परिश्रम असंभव लगने वाले कार्यों को भी संभव बना देता है।

हिंदुस्तान 25/फ़रवरी/2025

कुलपति कार्यालय घेरेगा छात्रसंघ

नई दिल्ली। डीयू छात्रसंघ (डूसू) ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ मंगलवार को प्रदर्शन की घोषणा की है। छात्रसंघ अध्यक्ष रौनक खत्री ने सोशल मीडिया हैंडल से इस बारे में जानकारी साझा करते हुए कहा है कि कॉलेज बुनियादी समस्याओं की कमी से जूझ रहे हैं। छात्र संघ अध्यक्ष द्वारा जो मांगे की गई हैं उनमें कैंपस में महिला सुरक्षा के लिए बॉयोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली लागू करना, विश्वविद्यालय में कैंटीन के भोजन की गुणवत्ता में सुधार, छात्रों की मानसिक स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए नई सेवाओं की व्यवस्था तथा सभी कैंपस में नए हॉस्टल का निर्माण शामिल है।

राष्ट्रीय दैनिक जागरण

28/फ़रवरी/2025

डूसू चुनाव अप्रत्यक्ष तौर पर कराने का प्रस्ताव ठंडे बस्ते में

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय की 1274वीं कार्यकारी परिषद की बैठक में दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव अप्रत्यक्ष तौर पर कराने के लिए रिपोर्ट किया गया प्रस्ताव भारी विरोध के बाद ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा गठित समिति ने चुनावों में फैली गंदगी और हाई कोर्ट की फटकार के बाद लिंगदोह की सिफारिश के मद्देनजर प्रस्ताव दिया था। वैसे डीयू में आपातकाल से पहले तक डूसू चुनाव अप्रत्यक्ष तौर पर होते थे। प्रस्ताव आने के बाद एबीवीपी, एनएसयूआई, आइसा और एसएफआइ ने कड़ा विरोध जताया व प्रदर्शन किए। एबीवीपी ने कला संकाय पर प्रदर्शन कर डीयू प्रशासन को ज्ञापन भी सौंपा था।

इस प्रस्ताव में कहा गया है कि केंद्रीकृत एकल स्तरीय डूसू चुनाव को दो स्तरीय चुनाव में बदला जा सकता है। इसके तहत कालेज-विभाग और केंद्र-संस्थान अपने स्तर पर चुनाव कर सकते हैं और इनके संघ के अध्यक्ष के साथ-साथ केंद्रीय पार्षदों को द्वितीय स्तर के चुनाव में भाग लेने की अनुमति दी जा सकती है, जिसमें डुसू पदाधिकारियों का चुनाव किया जा सकता है। लिंगदोह में भी इसकी अनुशंसा की गई है।

बैठक में रिपोर्ट किए गए मिनट्स में कहा गया है कि इस प्रस्ताव को विश्वविद्यालय के सभी विभिन्न हितधारकों (कालेज यूनियन, डूसू, कालेज प्राचार्यों, विभागाध्यक्षों, केंद्रों के प्रभारी, संस्थानों के प्रमुख-निदेशक) को आगे की चर्चा के लिए भेजा जा सकता है। यह भी कहा गया है कि विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति के चुनावों में भी इसी तरह का माडल अपनाया जाता है। वर्तमान में डीयू में चुनाव की प्रक्रिया में प्रत्यक्ष प्रणाली को अपनाया जाता है, छात्र सीधे डूसू के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव व कालेजों में अध्यक्ष व केंद्रीय पार्षद चुनने के लिए वोट करते हैं। नए डूसू के पदाधिकारियों को चुनने का अधिकार प्रस्ताव में कालेज के अध्यक्ष व पार्षद को देने की बात कही गई है।

इसे एजेंडे के तौर पर नहीं लाया गया है। इसे डीयू के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पास कराने की भी कोई मंशा नहीं थी ।

छात्र संगठनों का जोरदार प्रदर्शन

प्रस्ताव की बात सामने आते ही एबीवीपी, आइसा व एसएफआइ ने अलग-अलग प्रदर्शन किए। संगठनों ने इसे वापस लेने की मांग की। कला संकाय पर एबीवीपी के सैकड़ों कार्यकर्ता एकत्र हुए और विरोध जताया।

डीयू का अनुमानित बजट पारित

दिल्ली विश्वविद्यालय कार्यकारी परिषद (ईसी) व 1274वीं बैठक में वित्त समिति की गई सिफारिशों पर विचार के बाद उन्हें पारित कर दिया गया है। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025 2026 के लिए डीयू क 1,664 .74 करोड़ रुपए का अनुमानित बजट भी पारित किया गया। इसके साथ वित्तीय वर्ष 2024- 25 के लिए 1,191.33 करोड़ रुपये के संशोधित बजट अनुमान को भी पारित किया गया है।

हिंदुस्तान 28/फ़रवरी/2025

रामानुजन कॉलेज में वार्षिकोत्सव का आयोजन

नई दिल्ली। रामानुजन कॉलेज में गुरुवार को वार्षिकोत्सव जोश उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. रसाल सिंह ने सांस्कृतिक उत्सव की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों के अकादमिक निखार के साथ प्रतिभा का भी संचार होता है। उन्होंने कहा कि रामानुजन कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रेष्ठ महाविद्यालय की कतार में प्रमुखता से अपनी जगह बना रहा है।

हिंदुस्तान 28/फ़रवरी/2025

डूसू चुनाव में बदलाव के प्रस्ताव का विरोध

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता । दिल्ली विश्वविद्यालय में गुरुवार को कार्यकारी परिषद (ईसी) की आपातकालीन बैठक में डूसू चुनाव प्रक्रिया में बदलाव के प्रयासों का कड़ा विरोध किया गया । नॉर्थ कैंपस में भी छात्र संगठनों ने इसको लेकर प्रदर्शन किया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, आइसा और एसएफआई ने इसे लोकतांत्रितक प्रक्रिया की अवहेलना करार दिया।

ईसी के सदस्यों ने विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से बिना व्यापक चर्चा के चुनावी प्रक्रिया में परिवर्तन करने की मंशा की आलोचना की। परिषद ने स्पष्ट किया कि इस तरह के बदलावों को थोपने के बजाय सभी हितधारकों छात्रों और शिक्षकों के सामूहिक संगठनों से परामर्श लेना आवश्यक है। ईसी के सदस्य अमन कुमार ने कहा के डीयू ने इस पर छात्र संगठनों ने चर्चा हीं की। यह छात्रों के लोकतांत्रिक हक दमन है। ईसी के निर्वाचित सदस्य मथुराज धुसिया ने कहा कि हमारा स्पष्ट

क्या है अप्रत्यक्ष मतदान

डूसू में एक स्तरीय चुनाव प्रणाली की जगह दो स्तरीय चुनाव प्रणाली लागू किए जाने की सिफारिश है। इसमें पहले कॉलेज में चुनाव होगा और कॉलेज के छात्र प्रतिनिधि आगे डूसू के प्रतिनिधियों का चुनाव करेंगे। इसी तरह का मॉडल आंतरिक शिकायत समिति के चुनावों के लिए भी लागू किया जाएगा।

छात्रों को अपने प्रतिनिधि चुनने का हक: एबीवीपी छात्रसंघ चुनावों में अप्रत्यक्ष मतदान प्रणाली लागू करने की सिफारिश के खिलाफ एबीवीपी ने कला संकाय, गेट संख्या-4 के पास प्रदर्शन किया। उन्होंने नारेबाजी करते हुए सिफारिश को तुरंत रद्द करने की मांग की। कार्यकर्ताओं ने कुलपति को ज्ञापन भी सौंपा। डूसू की सचिव मित्रविदा कर्णवाल ने कहा कि यह फैसला छात्रों के मताधिकार को समाप्त करने के समान है। हम हर स्तर पर सुनिश्चित करेंगे कि छात्रों को अपने प्रतिनिधि चुनने का पूरा अधिकार मिले।

छात्रसंघ को खोखला बनाने की चाल : आइसा आइसा ने कुलपति कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। संगठन की सचिव अंजलि ने कहा कि अप्रत्यक्ष चुनाव का प्रस्ताव केवल छात्रसंघ को एक खोखला संस्थान बनाने की चाल है। जब चुनाव केवल कक्षा तक सीमित हो जाएगा तो नीतिगत मुद्दे पीछे छूट जाएंगे। यह प्रशासन जो कभी कैंपस को लोकतांत्रिक नहीं बना सका, अब पूरी तरह से लोकतंत्र को समाप्त करना चाहता है।